il foKfIr

10 अक्टूबर, 2012/भिलाई/ ''*gekj egki:"kk dh fojklr*'' को जानने के क्रम में दिनांक 09 अक्टूबर, 2012 की संध्या, भिलाई वासियों के लिए एक अविस्मरणीय शाम बन गई जब बहुजन नायक *ekU;oj dk'khjke* को बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने याद किया, श्रद्धा सुमन अर्पित किये और भारतीय समाज व्यवस्था को बदलने के उनके योगदान की सराहना की। डॉ0 अम्बेडकर सांस्कृतिक भवन सेक्टर 6 में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की आसंदी से बोलते हुए, भिलाई इस्पात संयंत्र के महाप्रबंधक *,y0 mekdkr* ने अपने तेजस्वी और सारगर्भित संबोधन में कहा कि मान्यवर कांशीराम जी का उद्देश्य देश के 85 फीसदी जनसंख्या को एकजूट करना था। उन्होंने अपने त्याग और आचरण से इसमें सफलता पाई और देश के अ0जा0, ज0जा0 और अन्य पिछड़ा वर्ग को एकजूट किया। उन्होंने हमें इतिहास को जानने और समझने के लिए प्रेरित किया और सोती हुई कौम को जगा दिया। आज के समय में हमें मान्यवर कांशीराम जी के विचारों और कार्यशैली से सीखना चाहिए। कार्यक्रम में अपने संस्मरण सुनाते हुए, भिलाई इस्पात संयंत्र के विधि अधिकारी *Vh0 nkl* ने कहा कि जब मान्यवर कांशीराम साहेब ने डॉ0 अम्बेडकर की पुस्तक *^^,ufgy'ku vkQ dkLV*'' को 7 बार पढ़ा तो उनका जीवनदर्शन बदल गया और उन्होंने प्रतिज्ञा की कि वे आजीवन अविवाहित रहेंगे,अपने नाम पर सम्पत्ति और रूपया–पैसा नहीं रखेंगे और अपना जीवन देश के बहुजनों के लिये समर्पित कर देंगे। उन्होंने पाया कि देश के परिदृष्य में चमचे ही चमचे छाये हैं और इसलिए समाज को जागृत करने के लिये उन्होंने अपने आपको झोंक दिया। देश के मूलनिवासी बहुजनों के लिये वे संघर्ष करते हुए मरने और मारने के लिये तैयार रहते थे। अपने संस्मरण सुनाते हुए भिलाई इस्पात संयंत्र के उप महाप्रबंधक ए*Q0vkj0 tuknu* ने 1978 के रामनामी मेले में उनकी उपस्थिति को याद किया और गिरौदपुरी मेले के दौरान कसडोल में रूकने की व्यवस्था न होने पर एक बस कंडक्टर के छोटे से कमरे में 10–15 साथियों के साथ, जमीन पर लेटकर रात गुजारने का मार्मिक वृतान्त सुनाया। पूना समझौते के 50 वर्ष पूरे होने पर ''*iuk iDV f/kDdkj fnol*'' के आयोजन रैली का उन्होंने विस्तार पूर्वक वर्णन किया और बताया कि किस प्रकार डॉ0 अम्बेडकर को पुना समझौते पर मजबूरीवश हस्ताक्षर करने पड़े थे। उन्होने अपने स्मरणों के अंत में कांशीराम साहेब को उद्घृत किया कि '' *vxj reUuk lgh gS rks jkLrs fudy gh tkrs gSA*'' उनके हृदयस्पर्शी उद्बोधन की उपस्थित जनसमूह ने बहुत अधिक सराहना की। इस अवसर पर पंजाब नैशनल बैंक में कार्यपालिक पद पर कार्यरत विचारक और सामाजिक कार्यकर्ता *th Mh jkmr* ने दिल्ली रैली का वाकया सुनाया जब एक पोस्टर

लगाने के लिये, सीढ़ी उपलब्ध न होने पर मान्यवर कांशीराम साहब ने अपने कंधो पर एक नौजवान को चढ़ाकर, पोस्टर लगाने मे सहायता की थी। उन्होंने बताया कि कांशीराम साहब प्रत्येक कार्यकर्ता के हर सवाल का जवाब देते थे। लोगों को जोड़ने के लिए उन्होंने HkkbZpkjk cukvks dk;Øe] tkfr rksMks&lekt tksMks, lQkbZ dkexkj vkanksyu] lkbZdy jSyh आदि अनेक अभियान चलाये। आदिवासी ओमखास समाज के महासचिव fd'kksj ,Ddk ने इस अवसर पर आदिवासी समाज को एकजूट करने कांशीराम जी के प्रयत्नों का उल्लेख किया और हमारी समस्याओं को हल करने में सामाजिक एकता की भूमिका को रेखांकित किया। भिलाई इस्पात संयंत्र के उप महाप्रबंधक ih- t;jkt ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि हमें अपने महापुरूषों के संघर्षो को याद करना चाहिए और उनसे सीख लेनी चाहिए। डा. अम्बेडकर तथा मान्यवर कांशीराम जी के कारण, हम आज यहां है। हमें आपस में एकजूटता और भाईचारा बढ़ाना चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता fot; d';i ने अपने उद्बोधन के साथ '' इतिहास जान लो '' कविता का सस्वर पाठ किया। श्रीमति foeyk tukZnu ने राष्ट्रीय सम्मेलनों में महिलाओं की भागीदारी का वर्णन किया और समाज को बदलने के लिए चल रहे आंदोलन में आगे भी कांशीराम साहब जैसे बहुजन नायकों के पैदा होते रहने की भविष्यवाणी की। इस अवसर पर Mk- vfdy/kj cuthZ] vkSj izoh.k dkEcys ने भी जनसमूह को संबोधित किया। कार्यक्रम के आयोजन में foukn oklfud] ujsanz [kkcksxMs] ,u- fpUuk ds'koyq] iznhi lkedoj] oklqnso ykm=s] fnokdj iztkifr] 'khykrkbZ ekVs/kjs] vjfoan jkeVsds आदि का बहुत अधिक योगदान रहा।

vjfoan jkeVsds
dk;Øe ds lg l;kstd
94079 84243

izfr]

laiknd@C;wjks phQ
nSfud &&&&&&&&&&&&&&&
fHkykbZ uxj